वर्ष-8, अंक 32, अपैल-जून 2022

ISSN 2347-6605

तमसो मा ज्योतिर्गमय

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

MULTI DISCIPLINE RESEARCH JOURNAL

AN INTERNATIONAL REFEREED QUARTERLY RESEARCH JOURNAL

A SCHOLARLY PEER REVIEWED JOURNAL

Website : http://vsirj.com

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय viii

भारत के सामाजिक सुधार में डॉ. अम्बेडकर की भूमिका 1
मीना चरांदा

सोशल मीडिया और उसके माध्यम 4
डॉ. मुन्नी चौधरी / डॉ. अनिरुद्ध कुमार सुधांशु

हरिशंकर परसाई के व्यंग्य रचनाओं में वर्णित समसामयिक समस्याएँ 12
डॉ. नेहा कुमारी

हिन्दी आलोचना और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल 16
लक्ष्मी नारायण

निराला के काव्य में चित्रित सामाजिक यथार्थ ... 19
डॉ. राम किशोर यादव

आलोचना का स्त्री परिप्रेक्ष्य 26
डॉ. पूनम कुमारी

प्राचीन भारत में गुप्तचर व्यवस्था 30
डॉ. संजीव कुमार

हिंदी कथा साहित्य की अद्यतन प्रवृत्तियाँ - एक विश्लेषण 39
विनिता कुमारी

दलित आत्मकथा 'दोहरा अभिशाप' में चित्रित अस्पृश्यता 44
कृष्ण कुमार

हिन्दी भाषा और सोशल मीडिया का अन्त:संबंध .. 49
कविता

चिरपुरातन और आधुनिक भारतीय समाज के नीति निर्माण में महिलाओं की भूमिका: महर्षि दयानंद सरस्वती के परिपेक्ष्य में 52
मणि प्रभा

भारवि कालीन भारत 57
यशवन्ती

परिभाषेन्दुशेखरपरिभाषासङ्ग्रयोर्दिशा ''व्याख्यानतो विशेषप्रतिपत्तिर्न हि सन्देहादलक्षणम्'' इति परिभाषाविचार: 64
रवि शंकर द्विवेदी

लोकतन्त्र में नारी 67
दीपिका त्रिपाठी

योगदर्शन में चिति, चेतस् और चित्तवृत्ति की अवधारणाएं 70
डॉ. माधव गोपाल

कामकाजी महिलाओं की समस्याएँ और समाधान 74
डॉ. दीपा मलिक

कहानियों में दलित-अस्मिता 78
राजेश राव

आपातकाल की पृष्ठभूमि व बालासाहब देवरस के नेतृत्व में संघ का सत्याग्रह 82
रामअवतार / डॉ. लोकेश कुमार शर्मा / प्रो. संजीव कुमार तिवारी

प्रेम एवं प्रकृति के अनूठे कवि केदार 89
डॉ. शहाबुद्दीन

वेदों में अभिव्यक्त पर्यावरण 99
प्रो. ब्रजेश कुमार पाण्डेय

अज्ञेय की कहानियाँ और पूर्वोत्तर भारत 103
मोहिनी पाण्डेय

स्त्रीत्व का नया गढंत : पुनर्नवा 107
अरविन्द कुमार सम्बल

ग्राम स्वराज की संकल्पना व उसकी विशेषता : एक सैद्धांतिक अवलोकन 113
जय कुमार

भगवद्गीता में अर्जुनविषादयोग 119
सतीश कुमार मिश्र

हिन्दी साहित्य में बाल साहित्य की स्थिति 123
वर्षा शर्मा

पालि साहित्य की एकमात्र काव्यशास्त्रीय रचना के रूप में सुबोधालंकार की कुछ प्रमुख स्थापनाओं का मूल्यांकन 126
डॉ. सुस्मिता

अज्ञेय की कहानियां : एक मनोवैज्ञानिक विश्लेषण ... 131
डॉ. सत्यदेव प्रसाद

रामायणीय चरित्रों के जनजातीयत्व का निर्णय एवम् उनके व्यक्तित्व का उद्घाटन 139
डा. टेकचन्द मीणा

मतिराम के काव्य में गार्हस्थ्य का चित्रण 146
ललिता शर्मा

हिंदी उपन्यासों की विकास यात्रा में लोकप्रिय तत्वों का योगदान 153
सोनी भास्कर

सामाजिक, राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में 'देश की हत्या' के पात्रों का अध्ययन 158
डॉ. भारत पवार